राजयोग रिपोर्ट

Pooja Sharma

[23/8/1979 - 23:53:18 - Delhi]

AstroSage

World's No. 1 Astrology Portal & App

राजयोगों का महत्व

राजयोग अर्थात ऐसे योग जो जीवन में उन्नति के शिखर पर ले जाने वाले होते हैं। योग का मतलब होता है “जोड़ अथवा जुड़ना”। वैदिक ज्योतिष में किसी योग का मतलब होता है कुछ विशेष ग्रहों के सहयोग से बनने वाला ऐसा संबंध जो किसी भी जातक को ऊँचाइयों तक ले जाने में सक्षम हैं। इन योगों के कारण व्यक्ति एक राजा के समान शक्तिशाली, वैभवशाली तथा समृद्ध बन सकता हैय इसी कारण इन्हें राजयोग कहा जाता है।

किसी भी जातक के जीवन में हर राजयोग का विशिष्ट योगदान होता है। एक कुंडली में जितने अधिक राजयोग विद्यमान होंगे, उतना ही इस जातक को जीवन में सफलता प्राप्त होगी और वह उन्नति प्राप्त करने योग्य बन पाएगा। यह राजयोग जातक के जीवन में एक राजा के समान वैभव, संपत्ति, यश तथा लक्ष्मी प्राप्ति जैसी महत्वाकांक्षाओं को सुगम बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

आपको आपकी कुंडली के विशिष्ट बिंदुओं पर जानकारी देने के लिए हमने इस राजयोग रिपोर्ट का निर्माण किया है। इन विशिष्ट राजयोगों की शक्ति उन योगों को बनाने वाले ग्रहों के बल अर्थात कुंडली में उनकी मजबूत स्थिति पर निर्भर करती है। ग्रहों के बल को देखने के लिए विभिन्न बिंदुओं का अध्ययन किया जाता है, जिनके आधार पर ग्रह विशेष द्वारा निर्मित विशेष योग अथवा राजयोग की फल देने की क्षमता का ज्ञान होता है। अतः इस रिपोर्ट के अंतर्गत आप जन्म-कुंडली से संबंधित निम्नलिखित विशिष्ट जानकारी पाएंगे:

1. आपकी जन्म-कुंडली में विशिष्ट योगों तथा राजयोगों का महत्व
2. जन्म कुंडली, नवमांश कुंडली, जन्मकालीन ग्रहों की स्थिति, विंशोत्तरी दशा, चलित तालिका
3. षोडश वर्ग कुंडलियां
4. षड्बल तथा भावबल तालिका
5. अष्टकवर्ग तालिका, अष्टकवर्ग चार्ट, प्रस्तारकवर्ग तालिका
6. आपकी जन्म-कुंडली में उपस्थित विशेष राजयोगों का विवरण तथा
7. जन्म-कुंडली में उपस्थित विशिष्ट राज योगों का विशेष फल।
8. राजयोगों की कुण्डली में शक्ति

मुख्य विवरण

व्यक्ति विवरण

लिंग	स्त्री
जन्म दिनांक	23 : 8 : 1979
जन्म समय	23 : 53 : 18
जन्म दिन	गुरूवार
इष्टकाल	044-57-58
जन्म स्थान	Delhi
टाइम जोन	5.5
अक्षांश	28 : 40 : N
रेखांश	77 : 13 : E
स्थानीय समय संशोधन	00 : 21 : 07
युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
स्थानीय औसत समय	23:32:10
जन्म समय - जीएमटी	18:23:18
तिथि	प्रतिपद
हिन्दू दिन	गुरूवार
पक्ष	शुक्ल
योग	शिव
करण	भाव
सूर्योदय	05 : 54 : 06
सूर्यास्त	18 : 53 : 43

अवकहड़ा चक्र

पाया (नक्षत्र आधारित)	चांदी
वर्ण (ज्योतिषीय)	क्षत्रिय
योनि	मूषक
गण	मानव
वश्य	वनचर
नाड़ी	मध्य
दशा भोग्य	शुक्र 13 व 3 मा 11 दि
लग्न	वृषभ
लग्न स्वामी	शुक्र
राशि	सिंह
राशि स्वामी	सूर्य
नक्षत्र-पद	पू०फाल्गुनी-2
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
जुलियन दिन	2444109
सूर्य राशि (हिन्दू)	सिंह
सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
अयनांश	023-34-20
अयनांश नाम	लाहिड़ी
अक्ष से झुकाव	023-26-31
साम्पातिक काल	21 : 37 : 56

राशि	लग्न	नक्षत्र-पद
सिंह	वृषभ	पू०फाल्गुनी-2
राशि स्वामी	**लग्न स्वामी**	**नक्षत्र स्वामी**
सूर्य	शुक्र	शुक्र

घात एवं अनुकूल बिन्दु

घात (अशुभ)

शनिवार दिन	बालव करण	मकर लग्न	ज्येष्ठ माह
मूल नक्षत्र	1 प्रहर	मकर राशि	3, 8, 13 तिथि
प्रीत योग	शनि, शुक्र ग्रह		

अनुकूल बिन्दु

5 भाग्यशाली अंक	1, 3, 7, 9 शुभ अंक	8 अशुभ अंक	14,23,32,41,50 शुभ वर्ष
गुरुवार, मंगलवार भाग्यशाली दिन	गुरु, मंगल, चंद्र शुभ ग्रह	मेष, धनु, मिथुन मित्र राशियां	सिंह, वृश्चिक, मीन शुभ लग्न
सुवर्ण भाग्यशाली धातु	माणिक भाग्यशाली रत्न		

AstroSage

ग्रह स्थिति

आपकी राहु में बुध में राहु की प्रत्यंतरदशा चल रही है जो कि 19 अप्रैल 2025 से 07 सितंबर 2025 तक चलेगी |

ग्रह	राशि	नक्षत्र
लग्न	वृषभ	रोहिणी
सूर्य	सिंह	मघा
चंद्र	सिंह	पू०फाल्गुनी
मंगल	मिथुन	आद्र्रा
बुध	कर्क	आश्लेषा
गुरु	कर्क	आश्लेषा
शुक्र	सिंह	मघा
शनि	सिंह	पू०फाल्गुनी
राहु	सिंह	पू०फाल्गुनी
केतु	कुंभ	शतभिषा
अरुण	तुला	विशाखा
वरुण	वृश्चिक	ज्येष्ठा
यम	कन्या	चित्रा

ग्रह	राशि	रेखांश	नक्षत्र	पद	व	अ	संबंध
लग्न	वृषभ	15-14-32	रोहिणी	2	--	--	--
सूर्य	सिंह	06-27-41	मघा	2	मा	--	स्व-राशि
चंद्र	सिंह	17-48-46	पू0फाल्गुनी	2	मा	अ	मित्र राशि
मंगल	मिथुन	16-23-41	आद्रा	3	मा	--	शत्रु राशि
बुध	कर्क	18-55-05	आश्लेषा	1	मा	--	शत्रु राशि
गुरु	कर्क	28-42-40	आश्लेषा	4	मा	अ	उच्च राशि
शुक्र	सिंह	05-59-04	मघा	2	मा	अ	शत्रु राशि
शनि	सिंह	21-28-48	पू0फाल्गुनी	3	मा	अ	शत्रु राशि
राहु	सिंह	15-13-08	पू0फाल्गुनी	1	व	--	--
केतु	कुंभ	15-13-08	शतभिषा	3	व	--	--
अरुण	तुला	23-43-27	विशाखा	2	मा	--	--
वरुण	वृश्चिक	24-08-51	ज्येष्ठा	3	व	--	--
यम	कन्या	23-45-21	चित्रा	1	मा	--	--

नोट: [अ] - अस्त [मा] - मार्गी [व] -वक्री [ग्र] -ग्रहण

लग्न कुण्डली

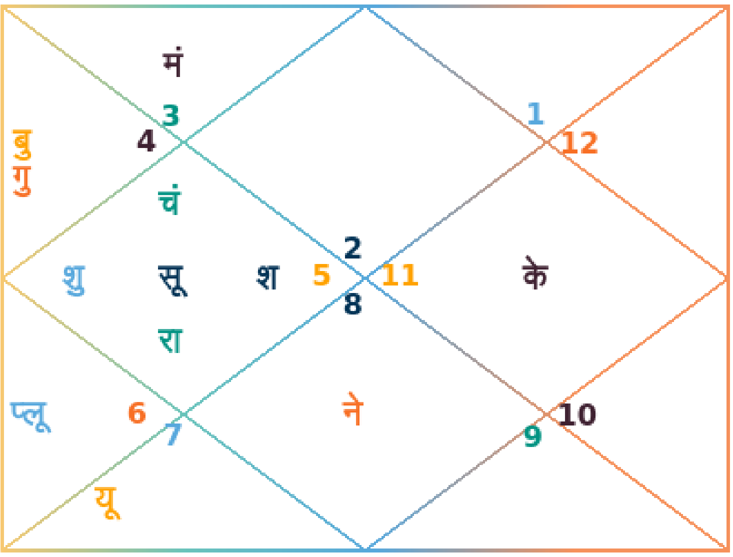

नवमांश कुण्डली

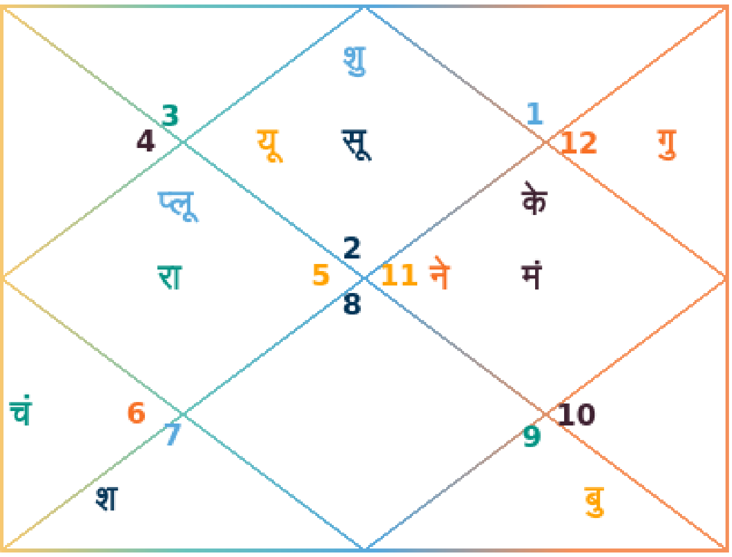

चलित तालिका एवं चलित चक्र

भाव	राशि	भाव आरंभ	राशि	भाव मध्य
1	मेष	27 . 27 . 36	वृषभ	15 . 14 . 32
2	वृषभ	27 . 27 . 36	मिथुन	09 . 40 . 39
3	मिथुन	21 . 53 . 43	कर्क	04 . 06 . 46
4	कर्क	16 . 19 . 50	कर्क	28 . 32 . 53
5	सिंह	16 . 19 . 50	कन्या	04 . 06 . 46
6	कन्या	21 . 53 . 43	तुला	09 . 40 . 39
7	तुला	27 . 27 . 36	वृश्चिक	15 . 14 . 32
8	वृश्चिक	27 . 27 . 36	धनु	09 . 40 . 39
9	धनु	21 . 53 . 43	मकर	04 . 06 . 46
10	मकर	16 . 19 . 50	मकर	28 . 32 . 53
11	कुंभ	16 . 19 . 50	मीन	04 . 06 . 46
12	मीन	21 . 53 . 43	मेष	09 . 40 . 39

चलित चक्र

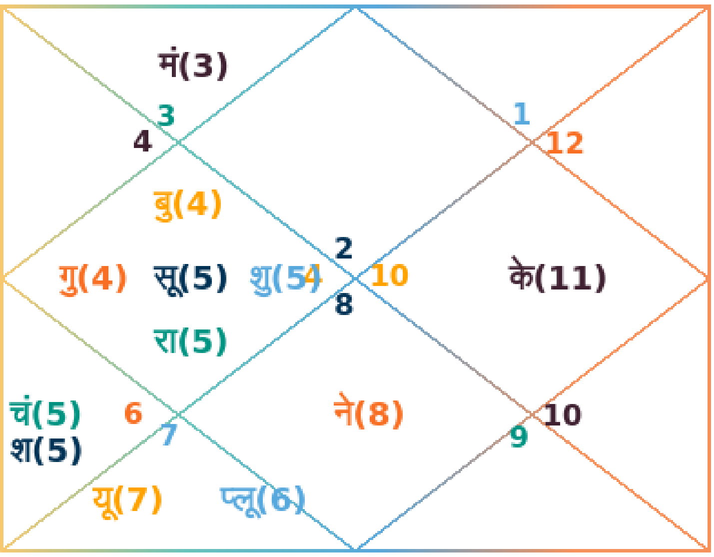

विंशोत्तरी दशा

नोट:- दी गयी तारीखें दशाओं की अन्त तारीख को दर्शाती हैं।

शुक्र - 20 वर्ष		
23/ 8/79 - 5/12/92		
शुक्र	:	00/00/00
सूर्य	:	00/00/00
चंद्र	:	5/12/78
मंगल	:	5/ 2/80
राहु	:	5/ 2/83
गुरू	:	5/10/85
शनि	:	5/12/88
बुध	:	5/10/91
केतु	:	5/12/92

सूर्य - 6 वर्ष		
5/12/92 - 5/12/98		
सूर्य	:	23/ 3/93
चंद्र	:	23/ 9/93
मंगल	:	29/ 1/94
राहु	:	23/12/94
गुरू	:	11/10/95
शनि	:	23/ 9/96
बुध	:	29/ 7/97
केतु	:	5/12/97
शुक्र	:	5/12/98

चंद्र - 10 वर्ष		
5/12/98 - 5/12/08		
चंद्र	:	5/10/99
मंगल	:	5/ 5/00
राहु	:	5/11/01
गुरू	:	5/ 3/03
शनि	:	5/10/04
बुध	:	5/ 3/06
केतु	:	5/10/06
शुक्र	:	5/ 6/08
सूर्य	:	5/12/08

मंगल - 7 वर्ष		
5/12/08 - 5/12/15		
मंगल	:	2/ 5/09
राहु	:	20/ 5/10
गुरू	:	26/ 4/11
शनि	:	5/ 6/12
बुध	:	2/ 6/13
केतु	:	29/10/13
शुक्र	:	29/12/14
सूर्य	:	5/ 5/15
चंद्र	:	5/12/15

राहु - 18 वर्ष		
5/12/15 - 5/12/33		
राहु	:	17/ 8/18
गुरू	:	11/ 1/21
शनि	:	17/11/23
बुध	:	5/ 6/26
केतु	:	23/ 6/27
शुक्र	:	23/ 6/30
सूर्य	:	17/ 5/31
चंद्र	:	17/11/32
मंगल	:	5/12/33

गुरू - 16 वर्ष		
5/12/33 - 5/12/49		
गुरू	:	23/ 1/36
शनि	:	5/ 8/38
बुध	:	11/11/40
केतु	:	17/10/41
शुक्र	:	17/ 6/44
सूर्य	:	5/ 4/45
चंद्र	:	5/ 8/46
मंगल	:	11/ 7/47
राहु	:	5/12/49

AstroSage

शनि - 19 वर्ष		
5/12/49 - 5/12/68		
शनि	:	8/12/52
बुध	:	17/ 8/55
केतु	:	26/ 9/56
शुक्र	:	26/11/59
सूर्य	:	8/11/60
चंद्र	:	8/ 6/62
मंगल	:	17/ 7/63
राहु	:	23/ 5/66
गुरू	:	5/12/68

बुध - 17 वर्ष		
5/12/68 - 5/12/85		
बुध	:	2/ 5/71
केतु	:	29/ 4/72
शुक्र	:	1/ 3/75
सूर्य	:	5/ 1/76
चंद्र	:	5/ 6/77
मंगल	:	2/ 6/78
राहु	:	20/12/80
गुरू	:	26/ 3/83
शनि	:	5/12/85

केतु - 7 वर्ष		
5/12/85 - 5/12/92		
केतु	:	2/ 5/86
शुक्र	:	2/ 7/87
सूर्य	:	8/11/87
चंद्र	:	8/ 6/88
मंगल	:	5/11/88
राहु	:	23/11/89
गुरू	:	29/10/90
शनि	:	8/12/91
बुध	:	5/12/92

शोडषवर्ग तालिका

शोडषवर्ग तालिका														
क्र.सं.	शोडषवर्ग	ल	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	यू	ने	प्लू
1	लग्न	2	5	5	3	4	4	5	5	5	11	7	8	6
2	होरा	5	5	4	4	5	5	5	4	4	4	4	5	5
3	द्रेष्काण	6	5	9	7	8	12	5	1	9	3	3	4	2
4	चतुर्थांश	8	5	11	9	10	1	5	11	11	5	4	5	3
5	सप्तमांश	11	6	8	6	2	4	6	9	8	2	0	7	5
6	नवमांश	2	2	6	11	9	12	2	7	5	11	2	11	5
7	दशमांश	3	7	10	8	6	9	6	12	10	4	2	12	9
8	द्वादशांश	8	7	12	9	11	3	7	1	11	5	4	5	3
9	षोडशांश	1	8	2	5	11	4	8	4	1	1	1	5	9
10	विंशांश	7	1	8	3	1	8	12	11	7	7	4	1	8
11	चतुर्विंशांश	4	10	7	6	7	2	9	10	5	5	11	11	11
12	सप्तविंशाश	5	6	5	9	3	11	6	8	2	8	4	7	1
13	त्रिंशांश	12	11	9	9	12	8	11	3	9	9	3	10	10
14	खवेदांश	3	9	12	10	8	9	8	5	9	9	8	3	2
15	अक्षवेदांश	3	2	7	9	5	8	1	1	3	3	12	5	8
16	षष्ट्यंश	8	5	4	11	5	1	4	11	11	5	6	8	5

शोडषवर्ग भाव तालिका

क्र.सं.	शोडषवर्ग	ल	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	यू	ने	प्लू
1	लग्न	1	4	4	2	3	3	4	4	4	10	6	7	5
2	होरा	1	1	12	12	1	1	1	12	12	12	12	1	1
3	द्रेष्काण	1	12	4	2	3	7	12	8	4	10	10	11	9
4	चतुर्थांश	1	10	4	2	3	6	10	4	4	10	9	10	8
5	सप्तमांश	1	8	10	8	4	6	8	11	10	4	2	9	7
6	नवमांश	1	1	5	10	8	11	1	6	4	10	1	10	4
7	दशमांश	1	5	8	6	4	7	4	10	8	2	12	10	7
8	द्वादशांश	1	12	5	2	4	8	12	6	4	10	9	10	8
9	षोडशांश	1	8	2	5	11	4	8	4	1	1	1	5	9
10	विंशांश	1	7	2	9	7	2	6	5	1	1	10	7	2
11	चतुर्विंशांश	1	7	4	3	4	11	6	7	2	2	8	8	8
12	सप्तविंशांश	1	2	1	5	11	7	2	4	10	4	12	3	9
13	त्रिंशांश	1	12	10	10	1	9	12	4	10	10	4	11	11
14	खवेदांश	1	7	10	8	6	7	6	3	7	7	6	1	12
15	अक्षवेदांश	1	12	5	7	3	6	11	11	1	1	10	3	6
16	षष्ट्यंश	1	10	9	4	10	6	9	4	4	10	11	1	10

शोडषवर्ग कुण्डलियाँ

लग्न

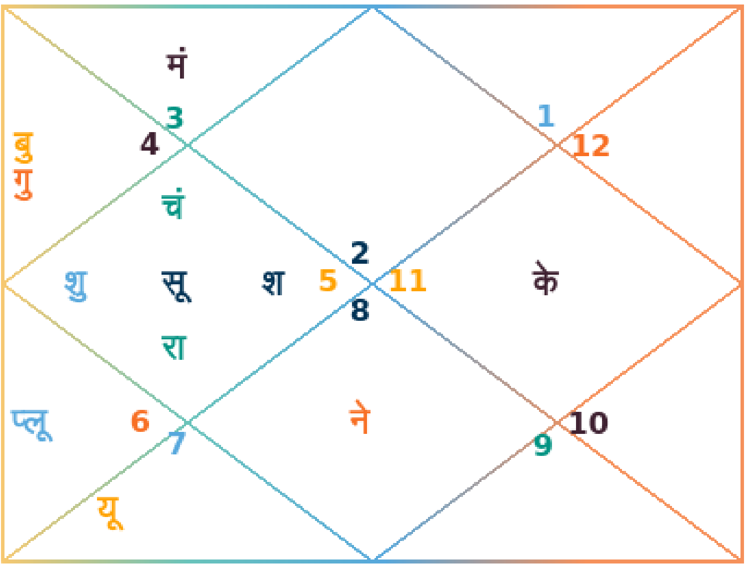

होरा (धन-सम्पत्ति)

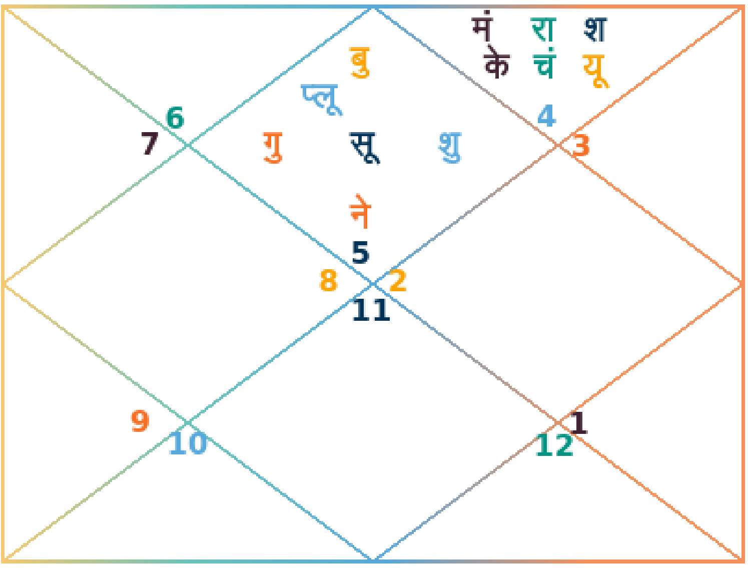

द्रेष्काण (भाई-बहन)

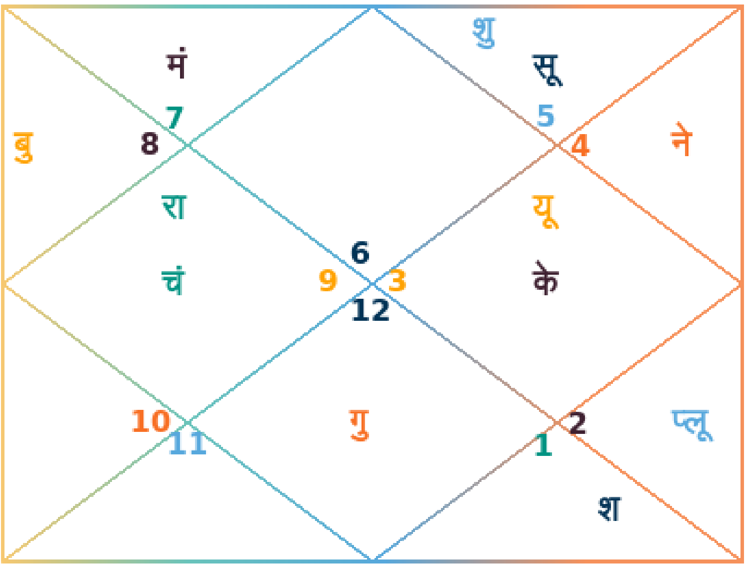

चतुर्थांश (भाग्य)

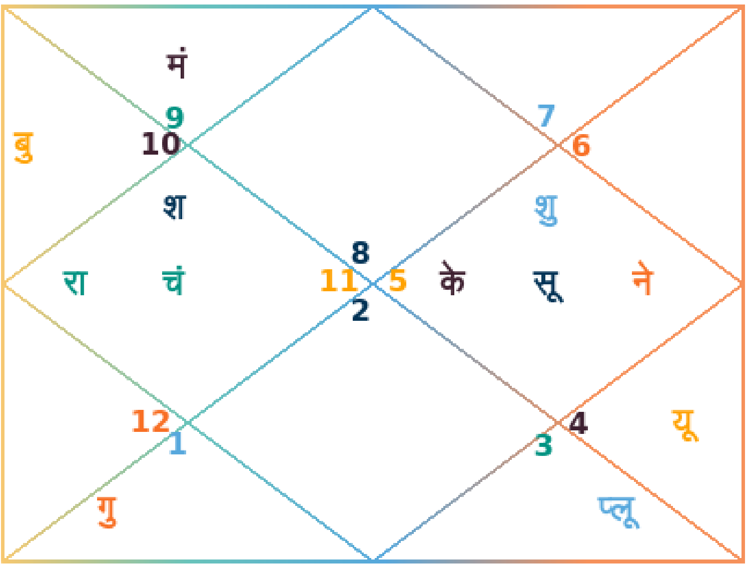

AstroSage

सप्तमांश (बच्चे)

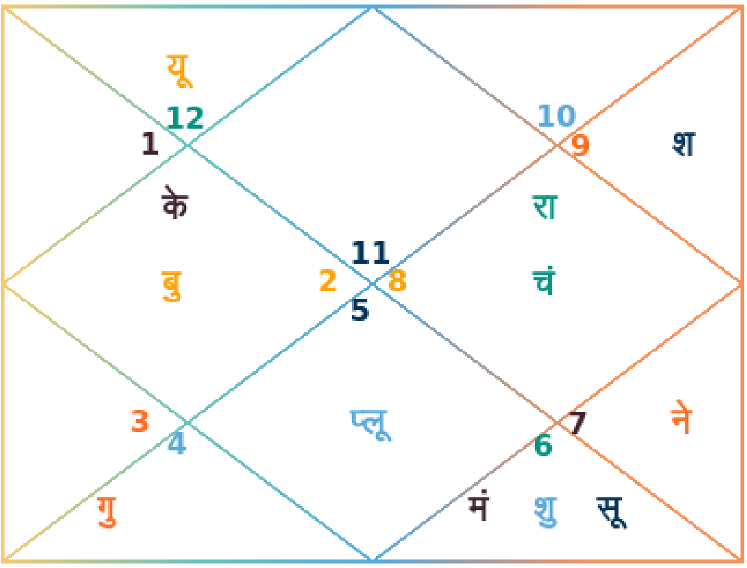

नवमांश (पति /पत्नी)

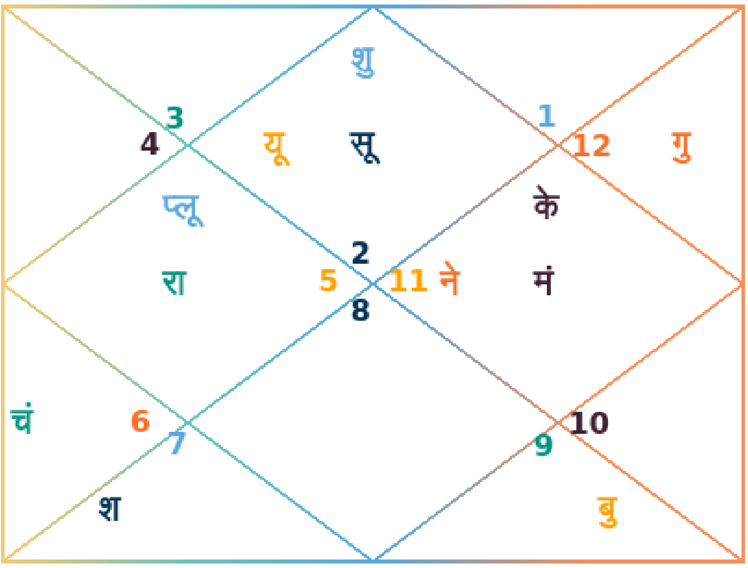

दशमांश (व्यवसाय)

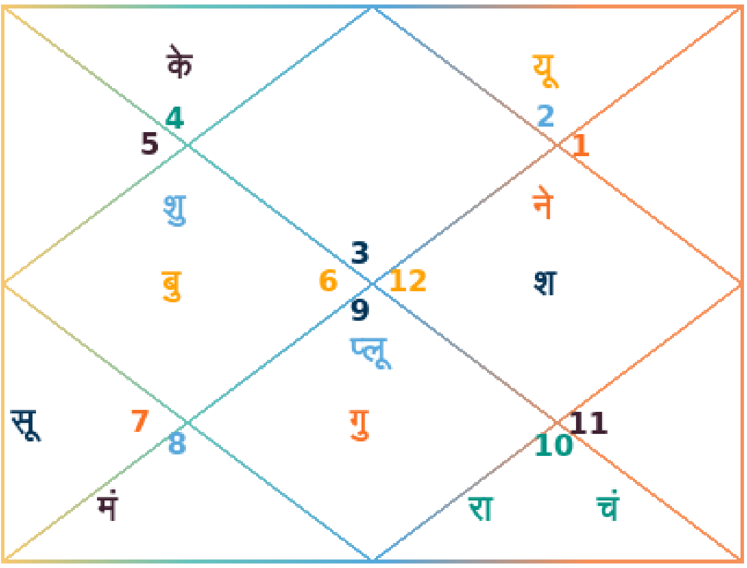

द्वादशांश (माता-पिता)

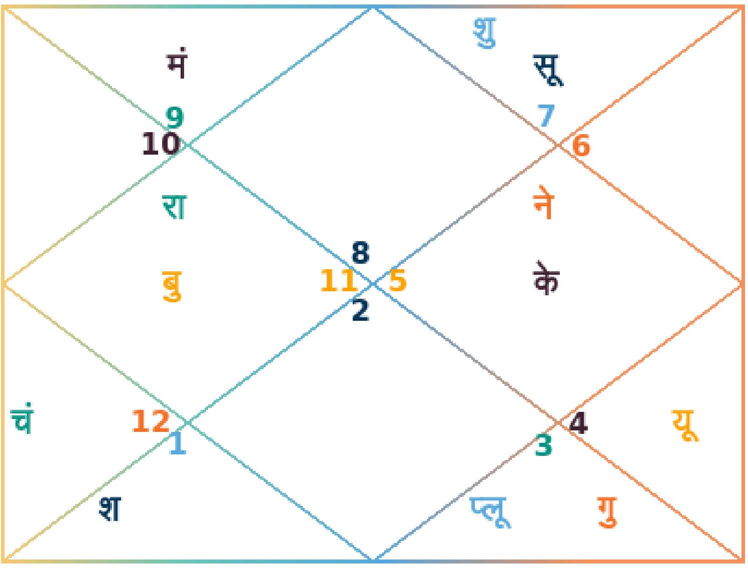

षोडशांश (वाहन)

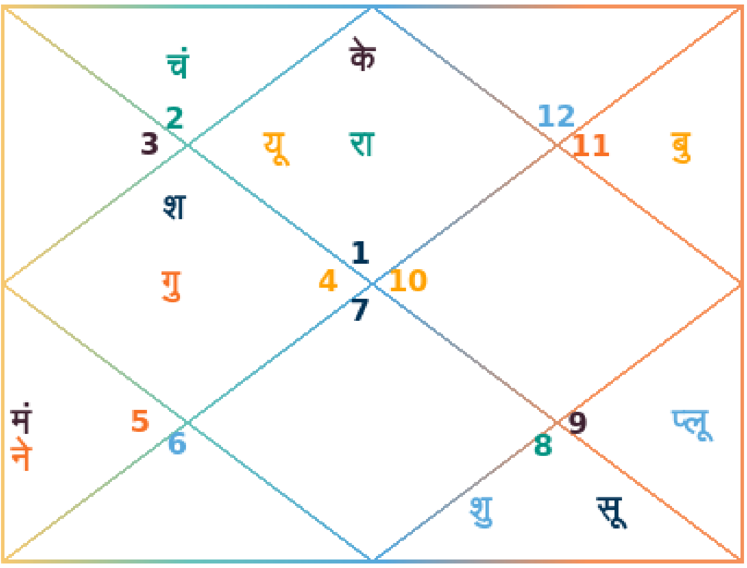

विंशांश (धार्मिक रुचि)

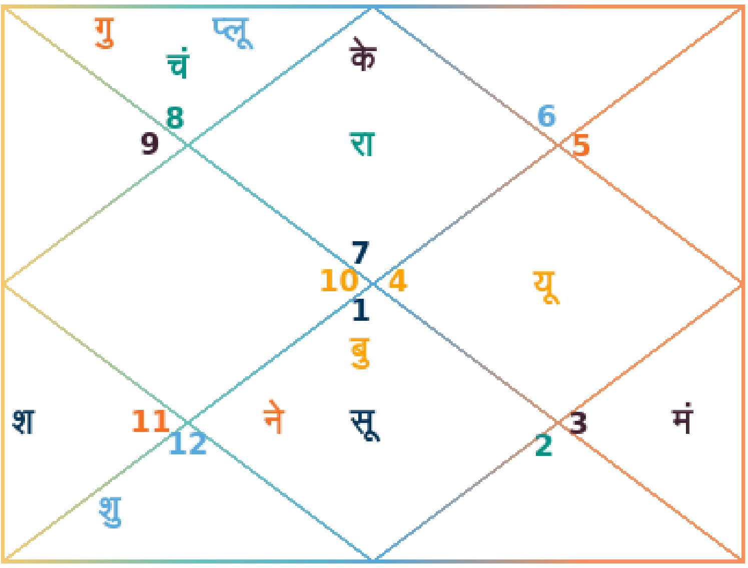

सप्तविंशाश (बल)

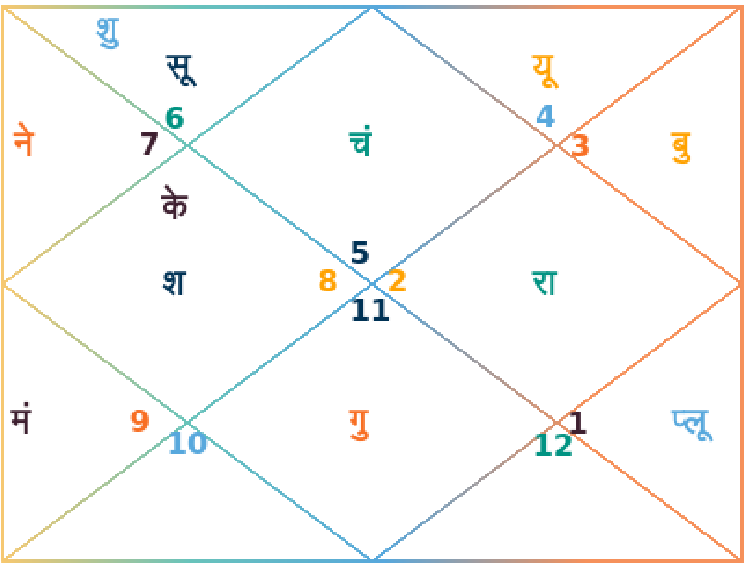

चतुर्विंशांश (शिक्षा)

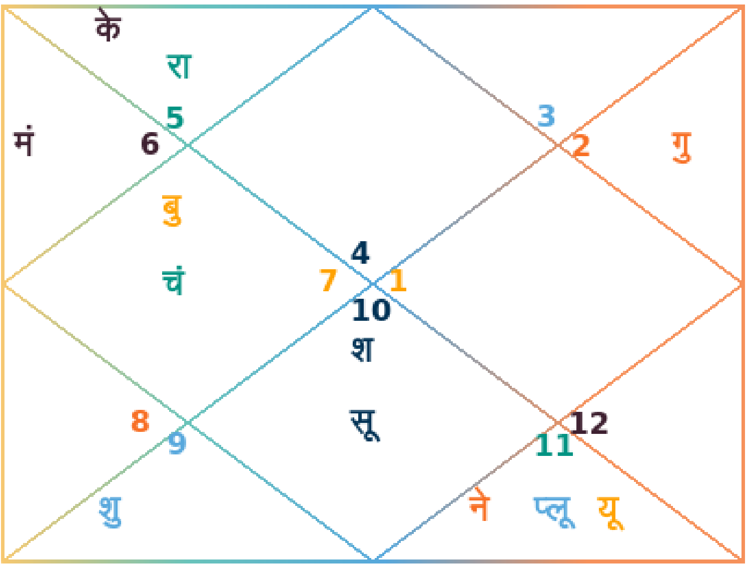

त्रिंशांश (दुर्भाग्य)

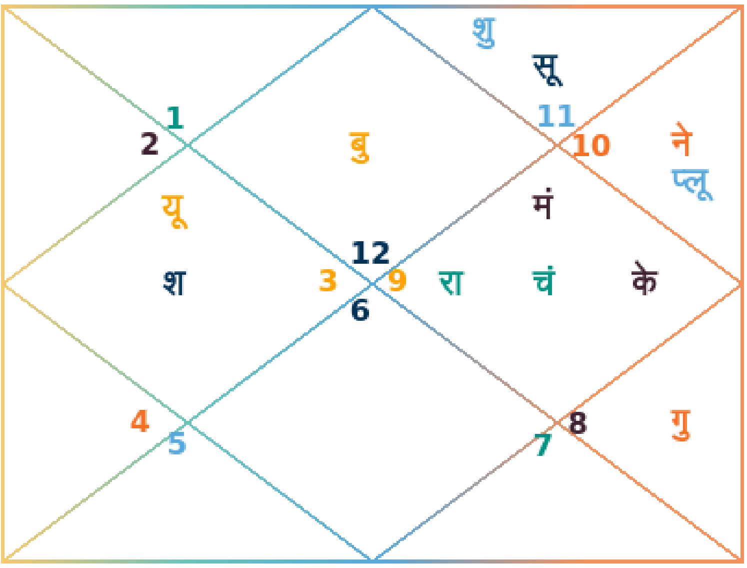

खवेदांश (शुभ फल)

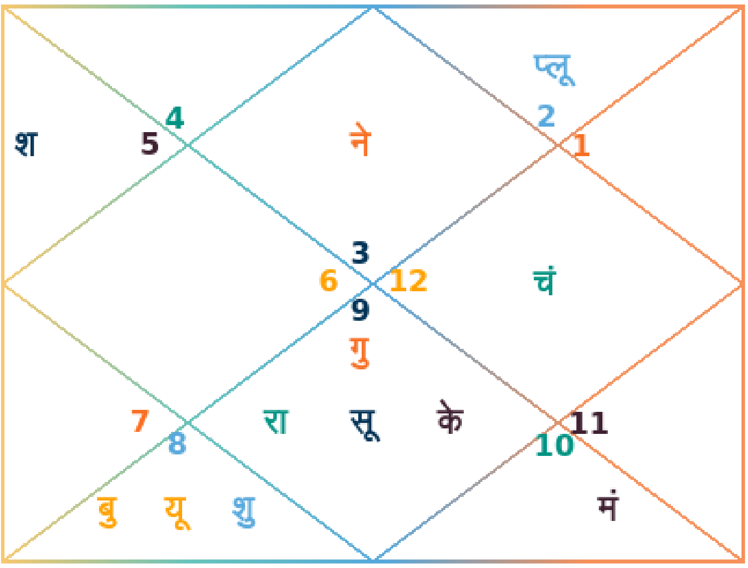

अक्षवेदांश (सामान्य जीवन)

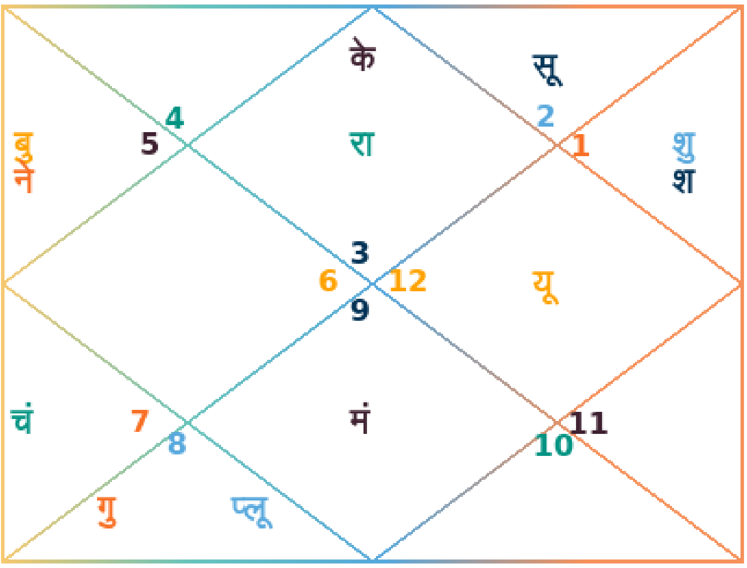

षष्टयंश (सामान्य जीवन)

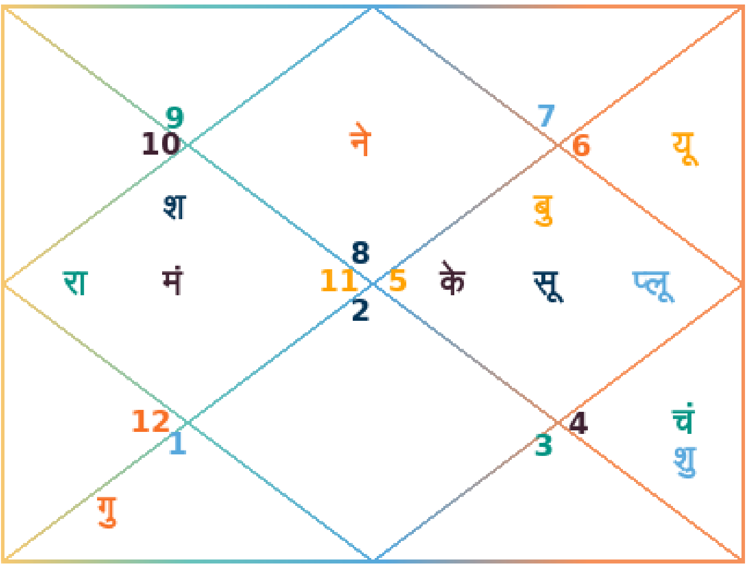

षड्बल एवं भावबल तालिका

षड्बल, वैदिक ज्योतिष में एक विधि है जो ग्रहों और घरों की ताकत में त्वरित जानकारी देता है। षड का संस्कृत में मतलब है छह इसलिए षड्बल ताकत के 6 विभिन्न स्रोतों के होते हैं। षड्बल गणना एक थका देने वाली प्रक्रिया है लेकिन कंप्यूटर को एक धन्यवाद जो सिर्फ एक माउस क्लिक करके इन ताकत की गणना को प्राप्त कर सकते हैं। षड्बल विधि प्रत्येक ग्रह और प्रत्येक घर के लिए एक मूल्य देता है। अधिक अंक एक घर और एक ग्रह में प्राप्त होते है तो षड्बल मजबूत होता है।

षड्बल तालिका

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	21.18	25.06	13.87	41.31	52.1	17.01	40.49
सप्तवर्गज बल	125.63	120.0	112.5	90.0	151.88	95.63	63.75
ओजयुग्मरस्यांश बल	15	15	30	15	0	15	30
केन्द्र बल	60	60	30	15	15	60	60
द्रेष्काण बल	1	1	1	1	1	1	1
कुल स्थान बल	236.8	220.06	186.37	176.31	218.97	187.63	194.24
कुल दिग्बल	2.64	53.58	14.05	38.77	35.51	57.52	32.08
नतोनंत बल	2.55	57.45	57.45	60.0	2.55	2.55	57.45
पक्ष बल	56.22	56.22	56.22	3.78	3.78	3.78	56.22
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	60	0
अब्द बल	0	0	0	15	0	0	0
मास बल	0	30	0	0	0	0	0
वार बल	0	0	0	0	45	0	0
होरा बल	0	0	0	0	0	60	0
अयन बल	89.26	20.75	59.28	51.7	47.85	44.83	22.48
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल काल बल	148.03	164.41	172.94	130.48	159.19	171.17	136.15
कुल चेष्टा बल	39.99	3.78	23.74	24.71	3.18	0.47	4.14
कुल नैसर्गिक बल	60.0	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
कुल द्रिक् बल	-2.51	-4.1	-12.06	-0.32	-1.54	-2.45	-4.7
कुल षड्बल	484.95	489.15	402.2	395.7	449.57	457.18	370.49

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
षड्बल (रुपस)	8.08	8.15	6.7	6.59	7.49	7.62	6.17
न्यूनतम आवश्यकता	5.0	6.0	5.0	7.0	6.5	5.5	5.0
अनुपात	1.62	1.36	1.34	0.94	1.15	1.39	1.23
सापेक्षिक क्रम	1	3	4	7	6	2	5
इष्ट फल	29.1	9.73	18.15	31.95	12.87	2.83	12.95
कष्ट फल	27.87	44.32	40.9	25.68	21.19	50.59	33.01

भावबल तालिका

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपती बल	457.18	395.7	489.15	484.95	395.7	457.18	402.2	449.57	370.49	370.49	449.57	402.2
भाव दिग्बल	30	50	50	60	20	10	60	10	50	0	10	40
भावदृष्टि बल	-0.09	-13.74	0.0	-1.52	2.12	44.75	36.68	29.02	20.52	92.71	47.97	55.75
कुल भाव बल	487.09	431.95	539.15	543.43	417.81	511.93	498.88	488.59	441.01	463.2	507.55	497.95
कुल भाव बल (रुपस में)	8.12	7.2	8.99	9.06	6.96	8.53	8.31	8.14	7.35	7.72	8.46	8.3
सापेक्षिक क्रम	8	11	2	1	12	3	5	7	10	9	4	6

अष्टकवर्ग - सर्वाष्टकवर्ग

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
सूर्य	5	5	5	3	3	4	2	4	3	3	5	6
चंद्र	4	5	5	4	2	1	8	3	2	5	7	3
मंगल	3	5	6	3	1	2	3	2	4	4	2	4
बुध	5	5	8	3	3	5	2	4	6	3	4	6
गुरू	6	5	5	4	4	6	5	3	5	5	4	4
शुक्र	5	6	5	3	4	4	4	6	5	1	2	7
शनि	2	5	6	2	3	1	4	3	3	3	3	4
योग	30	36	40	22	20	23	28	25	28	24	27	34

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

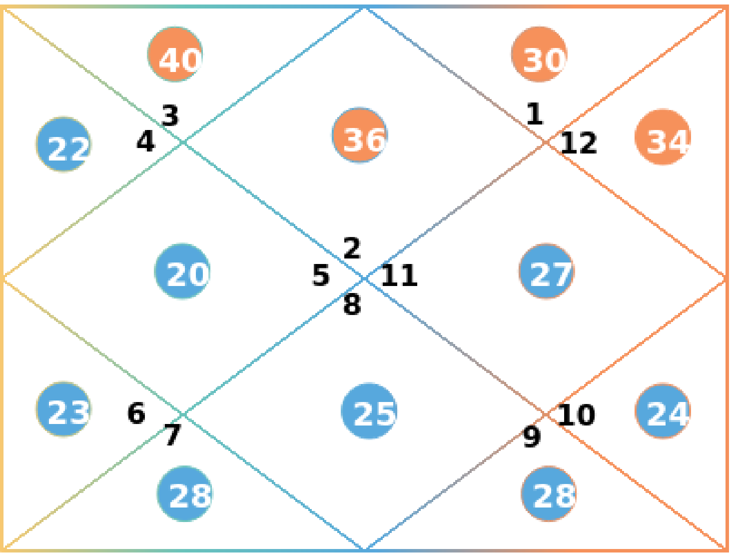

AstroSage

प्रस्तरअष्टकवर्ग

सूर्य

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
चंद्र	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
बुध	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	7
गुरु	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
शुक्र	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	3
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
लग्न	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	5	5	5	3	3	4	2	4	3	3	5	6	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

सूर्य कारकत्व

- पिता
- सरकार
- स्वास्थ्य

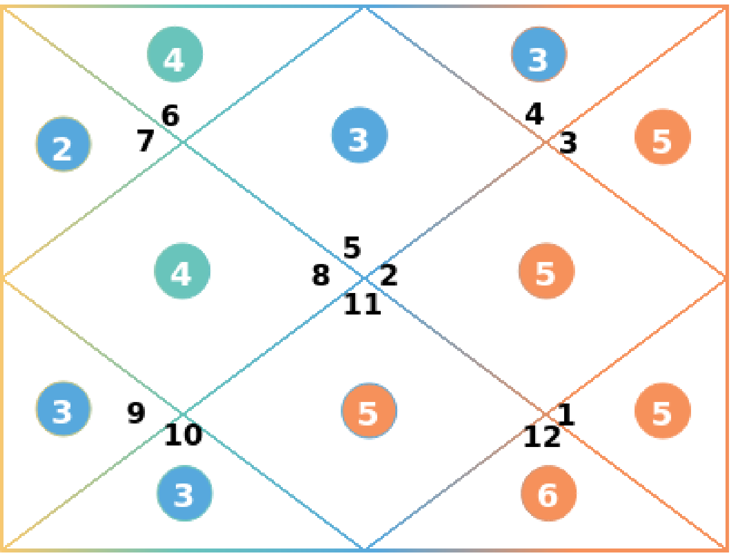

चंद्र													
	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	6
चंद्र	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	1	0	6
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	7
बुध	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	1	0	8
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	7
शुक्र	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	0	7
शनि	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
लग्न	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
योग	**4**	**5**	**5**	**4**	**2**	**1**	**8**	**3**	**2**	**5**	**7**	**3**	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

चंद्र कारकत्व

- माता
- मन
- आँख

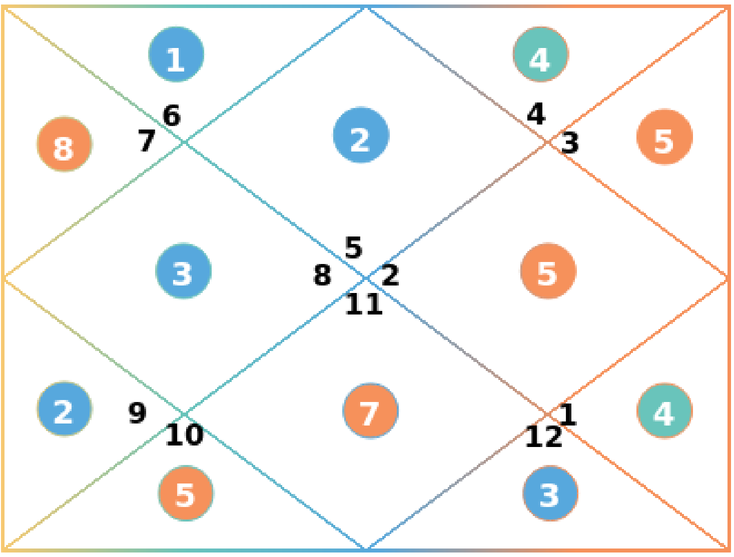

AstroSage

मंगल

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	3
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	4
शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	4
शनि	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	7
लग्न	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
योग	**3**	**5**	**6**	**3**	**1**	**2**	**3**	**2**	**4**	**4**	**2**	**4**	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

मंगल कारकत्व

- भाई - बहन
- साहस
- प्रॉपर्टी

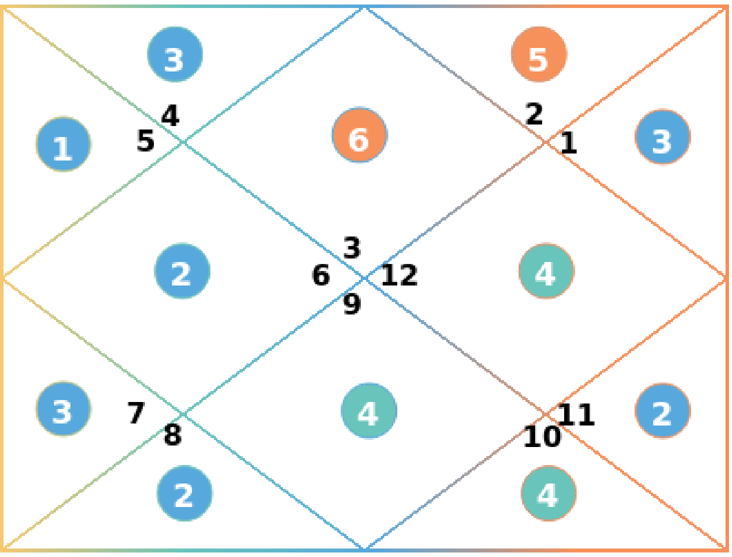

बुध

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	5
चंद्र	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	6
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
बुध	1	1	1	1	0	1	0	1	1	0	0	1	8
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
शुक्र	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	8
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
लग्न	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
योग	5	5	8	3	3	5	2	4	6	3	4	6	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

बुध कारकत्व

- व्यापार
- बुद्धि
- शिक्षा

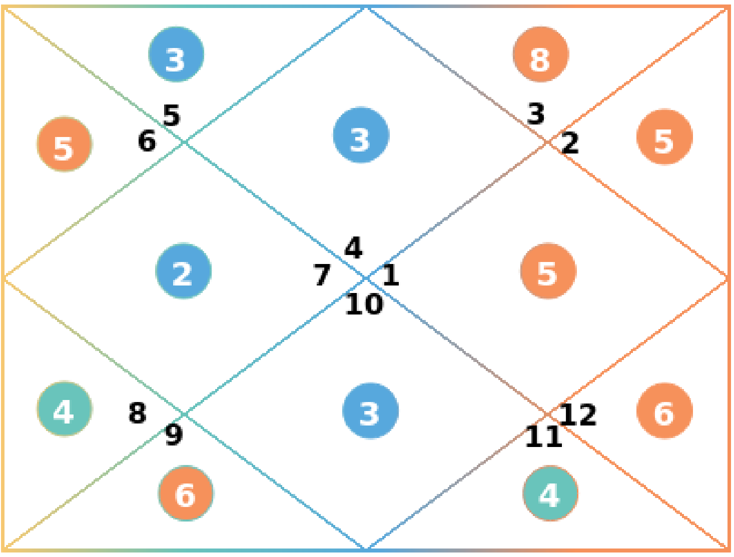

गुरु

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	9
चंद्र	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	5
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
बुध	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	8
गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
शुक्र	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	6
शनि	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	4
लग्न	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
योग	**6**	**5**	**5**	**4**	**4**	**6**	**5**	**3**	**5**	**5**	**4**	**4**	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

गुरु कारकत्व

- संतान
- ज्ञान
- पैसा
- धर्म

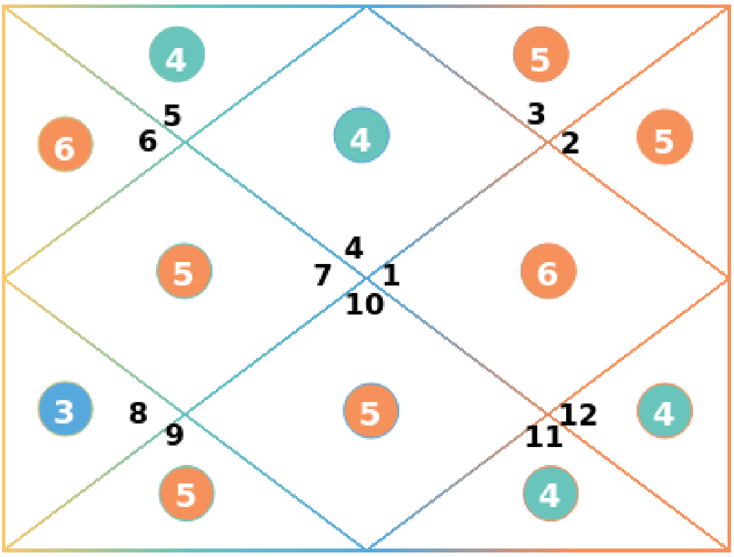

AstroSage

शुक्र

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	3
चंद्र	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	9
मंगल	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	6
बुध	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	5
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	9
शनि	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	7
लग्न	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
योग	**5**	**6**	**5**	**3**	**4**	**4**	**4**	**6**	**5**	**1**	**2**	**7**	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

शुक्र कारकत्व

- वाहन
- जीवनसाथी
- विलासिता
- विवाह

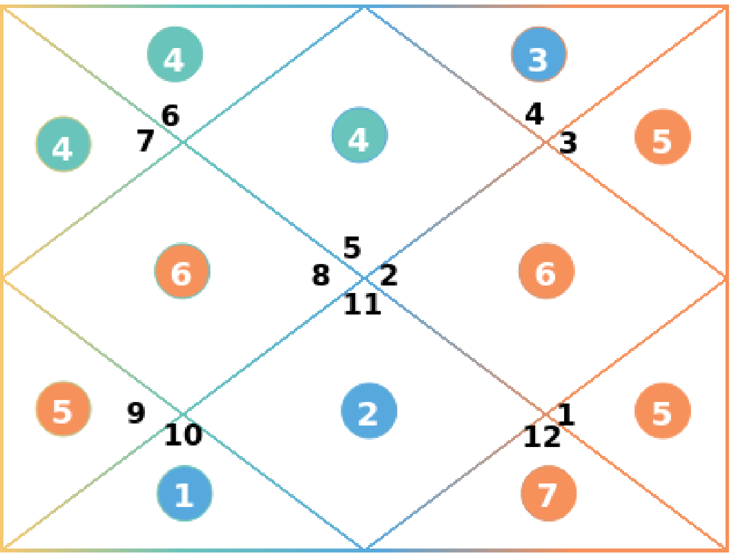

AstroSage

शनि

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	3
मंगल	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	6
बुध	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	6
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	3
शनि	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
लग्न	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
योग	2	5	6	2	3	1	4	3	3	3	3	4	

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

शनि कारकत्व

- रोजगार
- दीर्घायु
- नौकर - चाकर

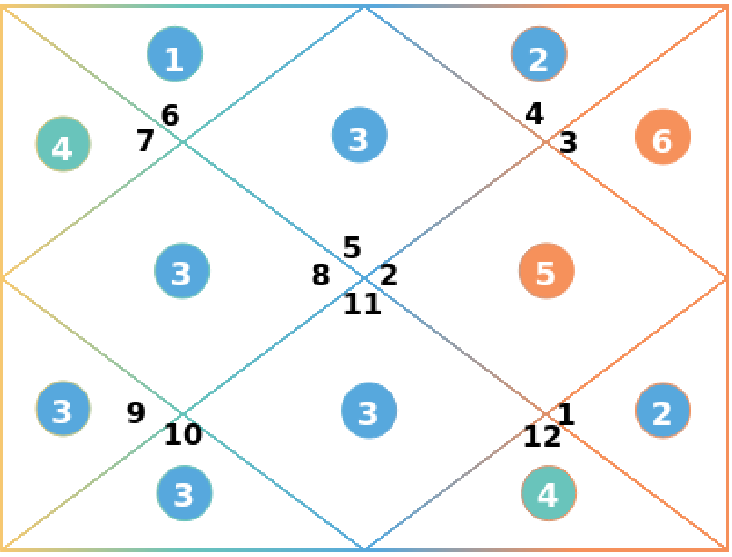

AstroSage

कुंडली में उपस्थित विभिन्न विशिष्ट योग व राजयोग

इस राजयोग रिपोर्ट के अंतर्गत हमने प्रयास किया है कि आपको उन विशिष्ट योगों के बारे में बताएँ जो आपकी जन्म-कुंडली में उपस्थित हैं और आपको जीवन में उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होंगे।र रहेगा

आपकी जन्म कुंडली में निम्नलिखित विशिष्ट योग एवं राजयोग उपस्थित हैं:

1 पक्षी या विहग योग

भ्रमणरुचयोविकृष्टा दूताः सुरतानुजीवनो धृष्टाः ।
कलहप्रियाश्च नित्यं विहगे योगे सदा जाताः

जब अधिकांश ग्रह चतुर्थ एवं दशम् भाव में स्थित हों तो पक्षी योग का निर्माण होता है।

आपकी कुंडली में यह योग होने से आप घुमक्कड़ प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं, इसलिए आप हमेशा एक पक्षी की तरह सैर करना पसंद करते हैं। आपका व्यक्तित्व सशक्त होगा लेकिन आप थोड़े झगड़ालू प्रवृत्ति के हो सकते हैं। आपके करियर में निरंतर बदलाव होते रहेंगे। आप मध्यस्थता कराने वाले या एक अच्छे वार्ताकार हो सकते हैं।

इस योग के प्रभाव से आप सशक्त व्यक्तित्व के स्वामी तथा अच्छे वार्ताकार बनेंगे।

2 अनफा योग

भूपोऽगदशरीरश्च शीलवान् ख्यातकीर्तिमान् ।
सुरूपश्चाऽनफाजातो सुखैः सर्वैः समन्वितः

यदि सूर्य और राहू-केतु को छोड़कर कोई भी ग्रह चंद्रमा से द्वादश भाव में स्थित हो और चंद्रमा से द्वितीय भाव में कोई ग्रह नहीं हो तो अनफा योग बनता है।

जन्म कुंडली के अनुसार आपका जन्म अनफा योग में हुआ है इसलिए आप सुंदर, अच्छी सेहत और धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे। आपका दृष्टिकोण यथार्थवादी होगा और आप भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे।

इस योग के प्रभाव से आप अच्छे स्वास्थ्य के स्वामी तथा धार्मिक प्रवृत्ति के होंगे।

3 पाराशरी राज योग

विष्णुस्थानं च केन्द्रं स्याल्लक्ष्मीस्थानं त्रिकोणकम् ।
तदीशयोश्च सम्बन्धाद्राजयोगः पुरोदितः

जब जन्म-कुंडली में केंद्र भावों का संबंध त्रिकोण भावों से हो तो राजयोग का निर्माण होता है। इस योग में जन्म लेने के कारण दशा अवधि में आपका रुतबा बढ़ेगा। आप धनी, धार्मिक स्वभाव वाले, प्रसिद्ध एवं समृद्धशाली होंगे। कार्यक्षेत्र में आप उच्च पद पर आसीन होंगे। आपके पास वाहन एवं अन्य प्रकार की प्रॉपर्टी होगी।

इस योग के प्रभाव से आप जीवन में समृद्धि को प्राप्त करने वाले बनेंगे।

4 वोशी योग

वोशौ च निपुणो दाता
यशोविद्याबलान्वितः

यदि चंद्रमा के अतिरिक्त बुध, बृहस्पति या शुक्र (शुभ ग्रह) सूर्य से द्वादश भाव में स्थित हों और सूर्य से द्वितीय भाव में कोई ग्रह नहीं हो, तो वोशी योग बनता है।

जन्म कुंडली के अनुसार आपका जन्म इस योग में होने से आप लोकप्रिय और धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे। आप मृदुभाषी होंगे और अपनी वाणी से लोगों को प्रभावित कर देंगे।

इस योग के प्रभाव से आप लोकप्रिय तथा विख्यात होंगे।

5 धन योग

एक, दो, पांच, नौ और ग्यारह धन प्रदायक भाव हैं। अगर इनके स्वामियों में युति, दृष्टि या परिवर्तन

सम्बन्ध बनता है तो इस सम्बन्ध को धनयोग कहा जाता है।

क्योंकि आपकी कुंडली में धनयोग बन रहा है इसलिए आपकी कुंडली में अकूत धन सम्पति की संभावना है। जब भी आपकी धन योग बनाने वाले ग्रहों की दशा चलेगी, समाज में मान सम्मान और प्रतिष्ठा बढेगी और आप को बहुत लाभ होगा। इस योग से आपकी आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत होगी।

इस योग के प्रभाव से आप धनवान और कीर्तिवान होंगे और आपके पास अच्छी धन सम्पदा होगी।

तो इस प्रकार हम कह सकते हैं कि आपकी कुंडली में उपर्युक्त राजयोग विद्यमान हैं। अतः आप जीवन में समृद्धिशाली एवं विख्यात तथा लक्ष्मीवान बनने की क्षमता रखते हैं। यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि इन योगों का निर्माण जिन ग्रहों के द्वारा किया जा रहा है उन ग्रहों को कुंडली में मजबूती देने से इन योगों के प्रभाव में भी वृद्धि होगी तथा जब-जब इन ग्रहों की महादशा, अंतर्दशा तथा अन्य दशाएँ आएंगी तब-तब आपको इन ग्रहों के द्वारा निर्मित उत्तम फलों की प्राप्ति होने की संभावना अत्यधिक बढ़ जाएगी।

आपका स्वर्णिम काल अथवा राजयोगों के फलीभूत होने का समय

अक्सर आपके मन में यह विचार आता होगा कि आपके जीवन का स्वर्णिम काल कब आएगा अथवा आपकी कुंडली के राजयोग कब फल देंगे? अपनी इस राज योग रिपोर्ट के अंतर्गत हम आपको बताना चाहते हैं कि आपकी जन्म कुंडली में उपस्थित विभिन्न राज योगों का प्रभाव यूँ तो जीवन पर्यन्त आपके ऊपर रहता है परन्तु विशेष रूप से जीवन का स्वर्णिम काल कुंडली में उपस्थित विशिष्ट राज योगों को बनाने वाले विभिन्न ग्रहों की महादशा, अंतर्दशा इत्यादि में आता है। क्योंकि इसी दौरान ये ग्रह पूर्ण रूप से आपकी कुंडली में प्रभावी होकर आप पर अपना प्रभाव डालते हैं और इन्हीं के प्रभाव से आप जीवन में ऊँचाइयों तक पहुंचते हैं, जिससे आप तरक्की के साथ-साथ यश, मान-सम्मान तथा उपलब्धियाँ प्राप्त करते हैं।

पहला स्वर्णिम काल :
जून 2026 से जून 2027

दूसरा स्वर्णिम काल :
जनवरी 2036 से अगस्त 2038

नोट इन समय पर ग्रहों और नक्षत्रों की चाल से राजयोग का प्रभाव सबसे अधिक रहेगा।

आपकी कुंडली में राजयोग की शक्ति

जैसा कि आप जानते ही हैं, राजयोग आपको धनवान, अधिक सफल और अधिक संपन्न बनाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो राजयोग के माध्यम से जीवन में इन सभी वस्तुओं को प्राप्त करने की जन्म-कुंडली की क्षमता का पता चलता है। विभिन्न लोगों की कुंडलियों की क्षमता भिन्न-भिन्न होती है कुछ व्यक्तियों की कुंडलियों में अंतर्निहित यह क्षमता अन्य की अपेक्षा अधिक होती है। अतः अपनी कुंडली में स्थिति राजयोगों की शक्ति के आधार पर आप स्वयं के भीतर छुपी संभावनाओं को पल्लवित करने के लिए उसी स्तर पर प्रयत्न करने की तैयारी कर सकते हैं। आइए, देखें कि इस दृष्टिकोण से आपकी कुंडली का अंतिम विश्लेषण क्या कहता है

राजयोग की शक्ति:70%

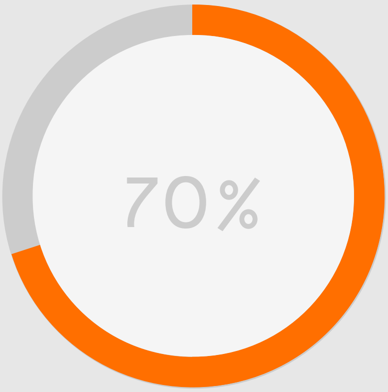

हम आशा करते हैं कि यह राजयोग रिपोर्ट आपके लिए सहायक सिद्ध होगी और आप जीवन में नित नई ऊँचाइयों को छूते रहेंगे। परमात्मा की अनुकम्पा आप पर सदैव बनी रहे!

AstroSage

World's No. 1 Astrology Portal & App

A-139, Sector 63, Noida (UP) 201307. India

वेबसाइट: https://www.AstroSage.com

Disclaimer

We want to make it clear that we put our best efforts in providing this report but any prediction that you receive from us is not to be considered as a substitute for advice, program, or treatment, that you would normally receive from a licensed professional such as a lawyer, doctor, psychiatrist, or financial adviser. Although we try our best to give you accurate calculations, we do not rule out the possibility of errors. The report is provided as-is and we provide no guarantees, implied warranties, or assurances of any kind, and will not be responsible for any interpretation made or use by the recipient of the information and data mentioned above. If you are not comfortable with this information, please do not use it. In case of any disputes, the court of law shall be the only courts of Agra, UP (India).

Icons source - freepik.com